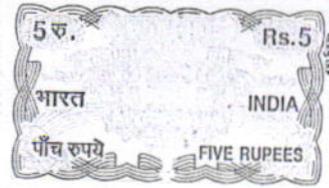
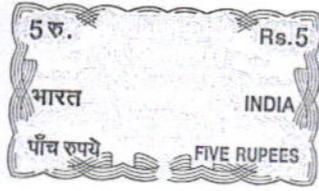
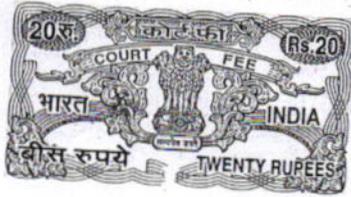


180



न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर

पुनर्विलोकन प्रकरण क्रमांक

पुनर्विलोकन - 6463/2018/अशोकनगर/२५-२५

/2018 जिला-अशोकनगर

कमलेश पुत्र श्री भेरूलाल साह
निवासी-वार्ड नं. 20 आनन्द ठेकेदार का बगीचा
जिला - अशोकनगर (म.प्र.)

..... आवेदक

विरुद्ध

श्रीमती शीलाबाई पत्नी विजय कुमार जैन
निवासी - पुराना बाजार मोती मोहल्ला जिला
- अशोकनगर (म.प्र.)

..... अनावेदक

श्रीमती शीलाबाई पत्नी
विजय कुमार जैन
प्रस्तुत! प्राथमिक तर्क हेतु
दिनांक 04.10.19 नियत।
सहायक मजिस्ट्रेट, अशोकनगर

माननीय न्यायालय द्वारा प्रकरण क्रमांक 395-II/2017 निगरानी में पारित
आदेश दिनांक 01.06.2018 के विरुद्ध मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता की
धारा 51 के अधीन पुनर्विलोकन।

माननीय महोदय,

आवेदक की ओर से यह पुनर्विलोकन निम्न प्रकार प्रस्तुत है :-

- 1 यहकि, माननीय न्यायालय के आदेश में कई ऐसी वैधानिक त्रुटियाँ, भूले रह गयीं है। इनके कारण माननीय न्यायालय का आदेश पुनर्विलोकन योग्य है।
- 2 यहकि, आवेदक की ओर से माननीय न्यायालय के समक्ष जो पुनरीक्षण प्रस्तुत किया गया था उसमें उठाये गये आधारों पर माननीय न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया गया है, और ना ही माननीय न्यायालय ने अपने आदेश में उपरोक्त आधारों पर निष्कर्ष ही दिये है। ऐसी स्थिति में माननीय न्यायालय के आदेश में अभिलेख की प्रत्यक्ष दर्शा त्रुटि होने से माननीय न्यायालय का आदेश पुनर्विलोकन योग्य है।
- 3 यहकि, तहसीलदार अशोकनगर द्वारा प्रकरण क्रमांक 4/अ-3/2003-04 में बंटाकन की कार्यवाही विधिवत् रूप से की गयी थी। इसकी विधिवत् जानकारी अनावेदिका को थी किन्तु उक्त आदेश के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गयी इसके अतिरिक्त भूमि का विधिवत् सीमांकन आवेदक द्वारा कराया गया है। ऐसी स्थिति में उपरोक्त तथ्यों पर माननीय न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया है, इसलिये माननीय न्यायालय के आदेश में अभिलेख की प्रत्यक्ष दर्शा त्रुटि होने से माननीय न्यायालय का आदेश पुनर्विलोकन योग्य है।

Shri
06/12/18

M

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
प्रकरण क्रमांक रिव्यु 6463/2018/अशोकनगर/भूरा.

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभा आदि के हस्ताक्षर
25-02-19	<p>आवेदक की ओर से श्री के० के० द्विवेदी उपस्थित। आवेदक पक्ष के अधिवक्ता द्वारा प्रकरण में तर्क प्रस्तुत किये। आवेदक पक्ष के अधिवक्ता द्वारा रिव्यु प्रकरण में प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया।</p> <p>2- यह रिव्यु आवेदन-पत्र इस न्यायालय के प्रकरण क्रमांक निगरानी 395-दो/2017 में पारित आदेश दिनांक 01.06.18 के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण क्रमांक रिव्यु 6463/2018/अशोकनगर/भूरा. के तथ्यों पर आवेदक अधिवक्ता के तर्क सुने गये।</p> <p>3-आवेदक के अधिवक्ता की ओर से पुनर्विलोकन आवेदन में उन्हीं तथ्यों को दोहराया गया है जो प्रकरण क्रमांक अपील 395-दो/2017 में वर्णित हैं। जिनका निराकरण आदेश दिनांक 01.06.18 से किया जा चुका है।</p> <p>4-प्रकरण में रिव्यु 6463/2018/अशोकनगर/भूरा. म०प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 में रिव्यु के जो आधार बताये गये हैं उनके विद्यमान होने पर ही रिव्यु आवेदन स्वीकार किया जा सकता है</p> <p>अ- नई एवं महत्वपूर्ण बात/साक्ष्य का पता चलना जो उस</p>	

प्रकरण क्रमांक रिव्यु 6463/2018/अशोकनगर/भूरा.

//2//

समय जब आदेश पारित किया गया था, समयक तत्परता के पश्चात भी नहीं मिल पाई थी।

ब- अभिलेख से प्रकट कोई भूल/गलती ।

स- कोई अन्य पर्याप्त कारण ।

आवेदक ने रिव्यु का जो आवेदन प्रस्तुत किया है। उसके परीक्षण से उक्तांकित आधारों में से कोई आधार विद्यमान होना नहीं पाया जाता है। इसलिये इस रिव्यु आवेदन में कोई बल नहीं होने से यह रिव्यु प्रकरण अग्रह्य किया जाता है। उभयपक्ष सूचित हों । प्रकरण दा० द० हो । राजस्व मण्डल का प्रकरण अभिलेखागार में संचय हेतु भेजा जावे।

सदस्य